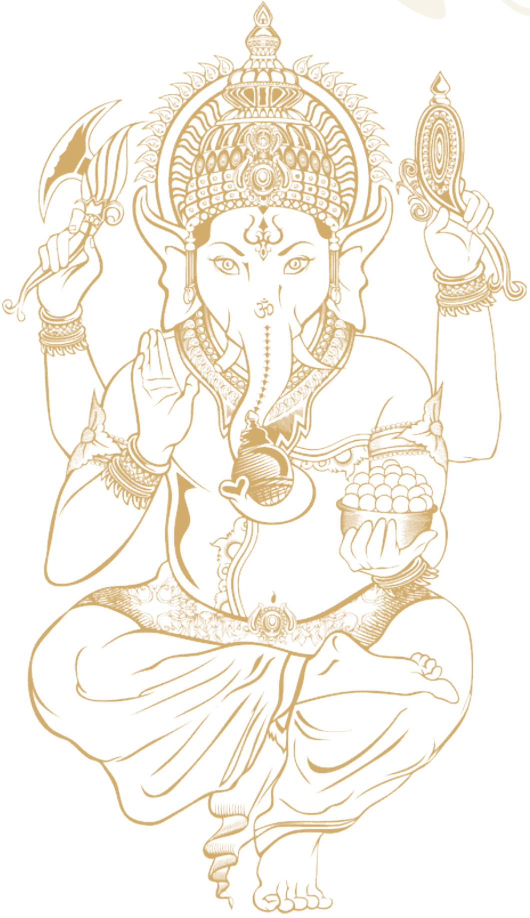

Mr.PREM PAGARE

21 Jun 1961

05:33 AM

Khandwa

Model: Baby-Horoscope **Order No: 120528301**

तिथि 21/06/1961 **समय** 05:33:00 **वार** बुधवार **स्थान** Khandwa **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:18:59
अक्षांश 21:49:00 उत्तर **रेखांश** 76:23:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:24:28 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	: 23:04:21 घं	गण	: मनुष्य
वेलान्तर	: 00:01:34 घं	योनि	: गौ
सूर्योदय	: 05:42:07 घं	नाड़ी	: आद्य
सूर्यास्त	: 19:09:44 घं	वर्ण	: वैश्य
चैत्रादि संवत	: 2018	वश्य	: मानव
शक संवत	: 1883	वर्ग	: श्वान
मास	: ज्येष्ठ	युँजा	: मध्य
पक्ष	: शुक्ल	हंसक	: भूमि
तिथि	: 8	जन्म नामाक्षर	: टो-टोनी
नक्षत्र	: उ०फाल्गुनी	पाया(रा.-न.)	: लौह-रजत
योग	: व्यतिपात	होरा	: शनि
करण	: विष्टि	चौघड़िया	: उद्वेग

विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 7मा 23दि
शनि
12/02/2016
12/02/2035

शनि	15/02/2019
बुध	25/10/2021
केतु	04/12/2022
शुक्र	03/02/2026
सूर्य	16/01/2027
चन्द्र	16/08/2028
मंगल	25/09/2029
राहु	01/08/2032
गुरु	12/02/2035

योगिनी
सिद्धा 4वर्ष 3मा 1दि
उल्का
21/09/2024
22/09/2030

उल्का	22/09/2025
सिद्धा	22/11/2026
संकटा	23/03/2028
मंगला	23/05/2028
पिंगला	21/09/2028
धान्या	23/03/2029
भ्रामरी	22/11/2029
भद्रिका	22/09/2030

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			03:03:56	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	शुक्र	---	0:00			
सूर्य			06:04:10	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	चंद्र	सम राशि	1.82	मातृ	पितृ	विपत
चंद्र			01:53:46	कन्या	उ०फाल्गुनी	2	सूर्य	गुरु	मित्र राशि	1.22	कलत्र	मातृ	जन्म
मंगल			02:00:50	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	मित्र राशि	1.68	ज्ञाति	भ्रातृ	मित्र
बुध	व	अ	15:44:31	मिथु	आर्द्रा	3	राहु	शुक्र	स्वराशि	1.25	अमात्य	ज्ञाति	क्षेम
गुरु	व		12:46:23	मक	श्रवण	1	चंद्र	राहु	नीच राशि	0.76	भ्रातृ	धन	सम्पत
शुक्र			20:22:17	मेष	भरणी	3	शुक्र	गुरु	सम राशि	1.39	आत्मा	कलत्र	अतिमित्र
शनि	व		05:11:14	मक	उत्तराषाढ़ा	3	सूर्य	बुध	स्वराशि	1.30	पुत्र	आयु	जन्म
राहु			05:42:20	सिंह	मघा	2	केतु	राहु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	मित्र
केतु			05:42:20	कुंभ	धनिष्ठा	4	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	विपत

लग्न-चलित

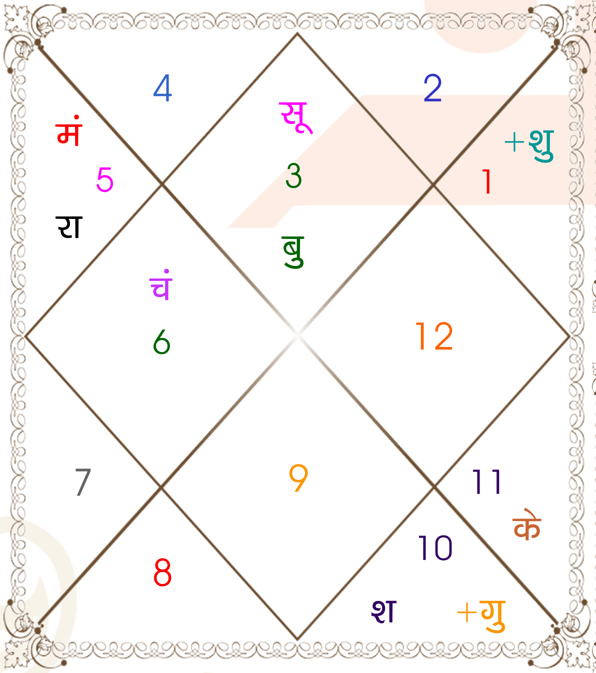

चन्द्र कुंडली

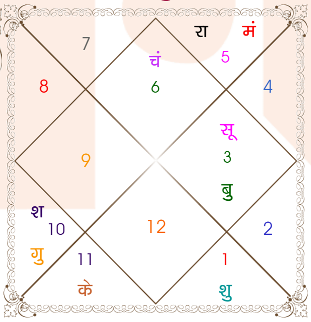

नवमांश कुंडली

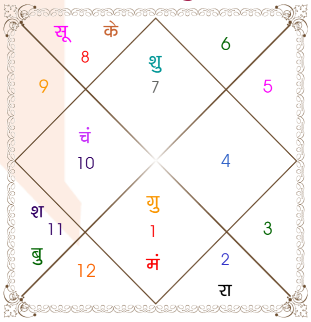

सर्वाष्टकवर्ग

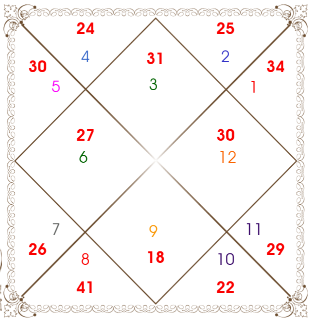

दशमांश कुंडली

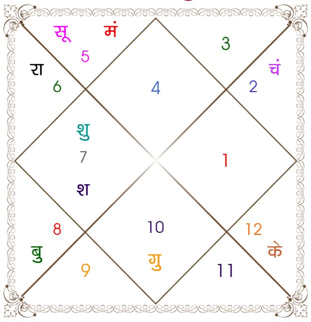

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

नक्षत्रफल

आप उतराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में पैदा हुए हैं। अतः आपकी जन्मराशि कन्या तथा राशिस्वामी बुध होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका वर्ण वैश्य, नाड़ी आद्य, योनि गो, वर्ग श्वान तथा गण मनुष्य होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ ”टो” अक्षर से शुरू होगा।

आप एक दयालु पुरुष होंगे तथा दानशीलता की प्रवृति से भी सुशोभित रहेंगे। आपका चालचलन अत्यन्त ही श्रेष्ठ होगा तथा अन्य जन आपके सदाचार की प्रशंसा करेंगे एवं अनुकरण करने के लिए भी प्रेरित होंगे। इस प्रकार आप अपने सत्कार्यों, मृदुस्वभाव से समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। समाज के सभी वर्ग आपका हार्दिक अभिनन्दन करेंगे। आप अत्यन्त ही तीक्ष्ण बुद्धि के स्वामी होंगे अतः अपनी बुद्धि तथा योग्यता के बल पर राज्य या सेना में किसी भी उच्चपद को सुशोभित करने में सक्षम रहेंगे। आप का स्वभाव अन्य जनों के साथ मधुरता से युक्त रहेगा।

दाता दयालु सुतरां सुशीलो विशालकीर्तिर्नृपते प्रधानः।
धीरोऽत्यन्तमृदुर्नरः स्याच्चेदुत्तराफाल्गुनिका प्रसूतौ।।
जातकाभरणम्

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक दानी, दयालु, शीलवान, कीर्तिवान राजमंत्री, स्वभाव से कोमल तथा धैर्यधारण करने वाला होता है।

जीवन में आप समस्त प्रकार के सुखसंसाधनों का उपभोग करने में सफल रहेंगे तथा समाज से यथोचित सम्मान प्राप्त करेंगे। आपमें कृतज्ञता की भावना भी विद्यमान रहेगी तथा अन्य जनों से उपकृत होने पर अवश्य ही उनके प्रति कृतज्ञता का भाव प्रकट करेंगे। साथ ही उच्चकोटि के विद्वान तथा सद्गुणों से भी सुसम्पन्न रहेंगे।

भोगी चोत्तरफाल्गुनीभजनितो कृतज्ञः सुधीः।।
जातकपरिजातः

अर्थात उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक भोगी सम्माननीय, कृतज्ञ तथा विद्वान होता है।

समाज में आप सभी लोगों के प्रिय रहेंगे तथा अपने अच्छे व्यवहार एवं कार्यों से उनको प्रभावित करने में समर्थ होंगे। आप विद्या द्वारा धन का उपार्जन करने वाले होंगे तथा समस्त सुखों से हमेशा युक्त रहेंगे।

सुभगो विद्याप्तधनो भोगी सुखभागद्वितीयफाल्गुन्यां।
बृहज्जातकम्

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सर्वप्रिय, विद्या से धन प्राप्त करने वाला, भोगी तथा सुखी होता है।

आप में सहनशीलता का भाव प्रारम्भ से ही विद्यमान रहेगा तथा आप शूरता तथा वीरता के गुणों से भी सुशोभित रहेंगे एवं अपने समस्त कार्य कलापों को साहसपूर्वक सम्पन्न करेंगे। आप अत्यन्त ही मधुरवाणी का अपने भाषण में प्रयोग करेंगे। इसके साथ ही निशानेबाजी में आप दक्षता प्राप्त करेंगे। आप एक महान योद्धा भी हो सकते है। समाज में आपका व्यवहार अत्यन्त ही प्रिय रहेगा।

दान्तः शूरो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदार्थ पण्डितः।
उत्तराफाल्गुनी जातो महायोद्धा जनप्रियः।।
मानसागरी

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक सहनशील वीर तथा मधुर बोलने वाला, धनुष बाण विद्या में निपुण, महायोद्धा तथा सर्वसाधारण का प्रिय होता है।

इन्द्रियो पर संयम करने में भी आप सफलता प्राप्त करेंगे एवं हृदय से हमेशा शान्त रहेंगे तथा आप अपनी बुद्धिमता से समाज से पूर्ण मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे।

दान्तः शान्तो मृदुर्वक्ता धनुर्वेदस्य पारगः।
उत्तराफाल्गुनिजातो महाबुद्धिर्जनः प्रियः।।
जातकदीपिका

अर्थात् उत्तराफाल्गुनी में उत्पन्न जातक इन्द्रियों को वश में करने वाला, शान्त स्वभाव से युक्त, मधुर बोलने वाला, धनुर्वेद में पारंगत, महान बुद्धिमान तथा जनता का प्रिय होता है।

आपका जन्म लौहपाद में हुआ है। यद्यपि लौह पाद में उत्पन्न जातक प्रायः धन के अभाव से दुःखी सुखसंसाधनों से हीन तथा अन्य प्रकार से जीवन में कष्ट प्राप्त करता है। परन्तु आपकी कुण्डली में चन्द्रमा शुभराशि में स्थित है। अतः आप अपने जीवन काल में जल से उत्पन्न होने वाले पदार्थो से नित्य लाभार्जन करते रहेंगे। आप एक धनवान पुरूष होंगे तथा अन्य चल अचल सम्पतियों के भी स्वामी बनेंगे। आप हमेशा नवीन वस्त्रों से युक्त रहेंगे एवं जीवन में वाहन आदि के सुख को प्राप्त करेंगे। साथ ही सुयोग्य संतति से भी आप युक्त रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा बन्धु एवं मित्रों से आपके संबंध अत्यन्त ही मधुर रहेंगे एवं उनसे आपको यथोचित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। जीवन में आवश्यक भौतिक सुखसंसाधनो से आप प्रायः सुसम्पन्न रहेंगे। साथ ही दानशीलता का भाव भी आपके मन में विद्यमान रहेगा। जल क्रीड़ा के आप शौकीन होंगे तथा इससे हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त करेंगे।

कन्या राशि में उत्पन्न होने के कारण आपके हाथों की लम्बाई अधिक होगी तथा

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

शरीर के अंग मुख, आँख, कान व दान्त सभी सुन्दर तथा दर्शनीय होंगे। स्त्रीवर्ग के प्रति आपके मन में विशेष अनुराग रहेगा। आप एक उच्चकोटि के विद्वान होंगे तथा धार्मिक संस्थाओं में उच्चपदों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। साथ ही धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक इसका पालन करने के लिए सर्वदा प्रयत्नशील रहेंगे। आपकी मधुर तथा प्रियवाणी से सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। सत्य एवं शुद्धता के प्रति आप विशेष ध्यान देंगे तथा इनका अनुपालन करते रहेंगे। आप एक धैर्यवान पुरुष होंगे तथा अपने समस्त कार्यों को धैर्यपूर्वक सम्पन्न करेंगे। परोपकार की भावना से भी आप युक्त रहेंगे तथा परहित के कार्यों को सम्पन्न करने में तन, मन, धन से अपना सहयोग अर्पण करेंगे। साथ ही समस्त जीवों तथा प्राणियों के प्रति आपके मन में दया तथा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा। आपकी सुन्दरता भी दर्शनीय होगी तथा जीवन में समस्त सुखैश्वर्य एवं वैभव का आप उपभोग करेंगे एवं सन्तति में पुत्रों की अपेक्षा कन्याओं की संख्या अधिक रहेगी।

स्त्रीलोलो लम्बबाहुर्ललिततनुमुखश्चारूदन्ताक्षिणिकर्णौ।
विद्धानाचार्य धर्मा प्रियवचनयुतः सत्यशील प्रधानः।।
धीरः सत्वानुकम्पी परविषयरतः क्षान्तिसौभाग्यभागी।
कन्याप्रायप्रसूतिबहुसुतरहितः कन्यकायां शशाङ्कः।।

सारावली

आप आलस्य एवं लज्जायुक्त दृष्टि से नित्य गमनशील रहेंगे। आपकी भुजाएं तथा कन्धे शिथिल होंगे तथा समस्त भौतिक तथा सांसारिक सुखों से सर्वथा परिपूर्ण रहेंगे। आपके शरीर में कोमलता की अधिकता रहेगी तथा कलाओं के प्रति आप समर्पित रहेंगे। विभिन्न शास्त्रों के तत्वों के आप ज्ञाता होंगे एवं आपकी बुद्धि भी हमेशा तीव्र रहेगी। स्त्री वर्ग के प्रति आपके मन में तीव्र आकर्षण रहेगा तथा किसी अन्य व्यक्ति या संबंधी के धन तथा मकानादि का आप उपभोग करने वाले होंगे। साथ ही घर से बाहर अन्य प्रदेश या देश में निवास करना आपको रूचिकर लगेगा।

व्रीळामंथरचारूवीक्षणगतिः स्रस्तांसवाहुः सुखी।
श्लक्ष्णः सत्यरतः कलासुनिपुणः शास्त्रार्थविद्धार्मिकः।।
मेधावी सुरतप्रियः परगृहे वितैश्च संयुज्यते।
कन्यायां परदेशगः प्रियवचः कन्याप्रजोळल्पात्मजः।।

बृहज्जातकम्

आप स्त्रियों को अपनी नाना प्रकार की कलाओं तथा अभिनय से प्रसन्न तथा आकर्षित करने की क्रिया में निपुण रहेंगे। आपका स्वभाव सरल तथा सुशील रहेगा। आप की प्रवृति हमेशा अच्छे कार्यों को करने की तरफ ही प्रवृत रहेगी। दुष्कर्मों से आप दूर ही रहेंगे। इसके अतिरिक्त सौभाग्य हमेशा आपका सहायक रहेगा तथा भाग्यबल से कई महत्वपूर्ण कार्य जीवन में सफल होंगे।

युवतिगे शशिनि प्रमदाजनप्रबलकेलिबिलासकुतूहलैः।
विनयशील सुताजननोत्सवै सुविधिना सहितः पुभान।।

जातकाभरणम्

आपकी बुद्धि अत्यन्त ही निर्मल तथा छलकपट से हीन रहेगी। लिखने में आप नैसर्गिक रूप से प्रवृत रहेंगे तथा काव्य सृजन में आप सफल भी हो सकेंगे। आपका स्वभाव शान्त रहेगा तथा अनावश्यक चंचलता का इसमें सर्वथा अभाव रहेगा। साथ ही नेत्र कष्ट से भी आप यदा कदा कष्टानुभूति प्राप्त करते रहेंगे। गुरूजनों के प्रति आपके मन में पूर्ण सम्मान की भावना रहेगी तथा उनके हित के कार्यों को करने में हमेशा तत्पर रहेंगे।

विमलमति सुशीलो लेखबुद्धिः कविश्च।
कृषिबलगुणशाली शान्तियुग्मः स्वभावः।।
भवति नयनरोगी धार्मिकः शीलयुक्तः।।
गुरूजन हितकर्ता कन्यका यस्य राशिः।।
जातकदीपिका

आप प्रवृति से विलासप्रिय होंगे तथा समस्त भौतिक सुखसंसाधनों पर उन्मुक्त भाव से व्यय करेंगे। विद्वानों तथा सज्जन लोगों के प्रति आपके मन में विशिष्ट आदर तथा सम्मान का भाव व्याप्त रहेगा तथा ये लोग भी आपसे सर्वथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आप दानशील स्वभाव के होंगे एवं समय समय पर इस प्रवृति का दीन दुःखियों तथा समाज में प्रदर्शन करते रहेंगे। आप वैदिक धर्म का पूर्ण रूप से अनुकरण करेंगे। सभी लोगों के प्रति आपके मन में प्यार तथा स्नेह का भाव सर्वथा विद्यमान रहेगा। समाज में किसी को भी आप अपना शत्रु नहीं समझेंगे। आप संगीत तथा अभिनय के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे तथा आजीवन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संगीत अभिनय तथा अन्य कलाओं से संबंधित रहेंगे। आप दूर प्रदेश में जाकर भी निवास कर सकते हैं।

विलासी सुजनाह्लादी सुभगो धर्मपूरितः।
दातादक्षः कविर्बुद्धि वेदमार्ग परायणः।।
सर्वलोकप्रियो नाट्यगान्धर्व व्यसने रतः।
प्रवासशीलः स्त्री दुखी कन्याजातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप अपने जीवन में समस्त सुख वैभव एवं ऐश्वर्य का उपभोग करने में पूर्ण रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। कामाग्नि की भी आप में प्रबलता रहेगी तथा इससे पीड़ित रहेंगे। अन्य जनों के प्रति स्वभाव से ही आप कोमल भावों तथा मधुर संबंधों से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की विद्याओं तथा कलाओं के विषय में आप पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने में समर्थ होंगे।

कन्यास्थे विषयातुरो ललितवाग्मि विद्याधिको भोगवान।
जातकपरिजातः

मनुष्य गण में उत्पन्न होने के कारण आपकी धार्मिक प्रवृति होगी तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में गहन श्रद्धा तथा सेवा भाव रहेगा। कभी कभी आप अभिमान का भी प्रदर्शन करेंगे। आपके मन में दया तथा करूणा का भाव विद्यमान रहेगा तथा गरीबों एवं

दुःखियों के प्रति आपके मन में पूर्ण सहानुभूति रहेगी तथा प्रयत्न से इनकी सहायता करेंगे। शारीरिक बल का भी आप में अभाव नहीं रहेगा। कलाओं के विषय में आपका विस्तृत ज्ञान रहेगा। आप अत्यन्त ही बुद्धिमान होंगे तथा स्वबुद्धिचातुर्य से सबको प्रभावित करेंगे। आपका शरीर भी सुन्दर कान्ति से सुशोभित रहेगा तथा आपके द्वारा बहुत से अन्य लोग भी सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

आप धनैश्वर्य तथा मान सम्मान से सर्वथा सम्पन्न रहेंगे। जीवन में आपको इनका अभाव नहीं रहेगा। आपके नेत्र भी आकार में बड़े होंगे तथा निशानेबाजी की कला में आप अत्यन्त निपुण होंगे। आपका शरीर गौरवर्ण से युक्त रहेगा तथा नगरवासियों को आप अपने वश में करने में सफलता अर्जित करेंगे अर्थात् किसी नगर के आप कोई भी गणमान्य व्यक्ति होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

गो योनि में पैदा होने के कारण आप स्त्री वर्ग के मध्य अत्यन्त ही प्रिय एवं आदरणीय रहेंगे इनसे आपको विशेष स्नेह की प्राप्ति होगी। आपका हृदय हमेशा उत्साह से परिपूर्ण रहेगा तथा आपके समस्त जीवन के कार्यकलाप भी उत्साहपूर्वक ही सम्पन्न होंगे। आपकी तार्किक शक्ति अत्यन्त ही प्रभावी होगी तथा अपने सटीक तर्को से वाद विवाद में आप हमेशा विजयी रहेंगे।

स्त्रीणां प्रियः सदोत्साही बहुवाक्य विशारदः।
स्वल्पायुश्चनरो जातः गो योनौ न सशंयः।।
मानसागरी

अर्थात गोयोनि में उत्पन्न जातक स्त्रियों का प्रिय, सदा उत्साह में रहनेवाला, वादविवाद में चतुर एवं अल्पायु होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति चतुर्थ भाव में होने से माता का शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके प्रति उनका प्रगाढ़ स्नेह रहेगा एवं जीवन में सर्वप्रकार की सुख सुविधाएं तथा अन्य सुखों को वे आपको प्रदान करेंगी। आपके मध्य मतभेद अल्प ही रहेंगे अतः परस्पर संबंध मधुर रहेंगे। साथ ही वाहनादि की प्राप्ति में भी वे आपको पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी तथा कभी भी कोई कठिनाई का सामना नहीं करने देंगी।

आप भी उनका हमेशा हार्दि सम्मान करेंगे तथा उनकी आज्ञा एवं निर्देशों को मानने

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। साथ ही अपने जीवन काल में उनकी श्रद्धापूर्वक सेवा करेंगे तथा आवश्यक सुखसुविधाओं को भी प्रदान करेंगे। इस प्रकार आपके परस्पर संबंध मधुर एवं सुदृढ रहेंगे तथा जीवन को प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

आपके जन्म समय में सूर्य लग्न में स्थित है। अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे तथा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं किसी भी प्रकार से शारीरिक रूग्नता का अभाव रहेगा। साथ ही उनकी आयु भी दीर्घ रहेगी। जीवन में वे आपको अपना आर्थिक तथा अन्य रूप से नित्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही पिता के द्वारा आपको ख्याति भी अर्जित होती रहेगी।

आपके मन में भी उनके प्रति हार्दिक श्रद्धा एवं सम्मान का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही उनकी आज्ञा का अनुपालन करने के लिए भी आप तत्पर रहेंगे। आपके आपसी संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे लेकिन इसका संबंधों पर विशेष प्रभाव नहीं पङेगा। साथ ही आप जीवन में उनको पूर्ण रूप से आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करते रहेंगे एवं अपनी ओर से कोई कष्ट भी नहीं होने देंगे।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। शक्ति, साहस तथा पराक्रम से वे युक्त रहेंगे। साथ ही जीवन में सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको यथायोग्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे। धन धान्य से भी वे युक्त रहेंगे एवं समयानुसार आपकी आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में आपकी पूरी सहायता करेंगे।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी एवं सर्वदा विषम परिस्थितियों में भी उनका पूर्ण सहयोग करेंगे। आप के परस्पर संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा मतवैभिन्यता के कारण उनमें कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु वह अल्प समय के लिए रहेगा कुछ समय बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। साथ ही आप सुख दुःख में भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। इस प्रकार आप भाई बहिनों के सुख मध्यम रूप से ही अर्जित कर सकेंगे।

आपके लिए भाद्रपद मास, पंचमी, दशमी तथा पौर्णमासी तिथियां, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग, कौलवकरण, प्रथम प्रहर, शनिवार तथा मिथुन राशिस्थ चन्द्रमा अशुभ फल देने वाले होंगे। अतः आप 15 अगस्त से 14 सितम्बर के मध्य 5,10,15 तिथियों, श्रवण नक्षत्र, शुभयोग तथा कौलवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि अन्य महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। इन दिनों तथा समय में शारीरिक सुरक्षा तथा स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक परेशानी, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या प्रोन्नति में व्यवधान या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता नहीं मिल रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव गणेश जी की अर्चना करनी चाहिए तथा बुधवार एवं गणेश चतुर्थी का उपवास करना चाहिए। साथ ही सोना, पन्ना, हरा वस्त्र, मूंग की

दाल आदि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक किसी सुपात्र को दान करना चाहिए। इसके अतिरिक्त बुध के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 17000 जप किसी योग्य विद्वान से सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा अशुभ प्रभावों में कमी आएगी।

ऊँ ब्रां ब्रीं ब्रों सः बुधाय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं स्त्रीं श्रीं बुधाय नमः।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com